ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 18-01-2022

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-01-18 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-01-19	2022-01-20	2022-01-21	2022-01-22	2022-01-23
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	1.0	4.0	12.0
अधिकतम तापमान(से.)	14.0	11.0	9.0	9.0	7.0
न्यूनतम तापमान(से.)	3.0	4.0	4.0	3.0	3.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	50	65	75	80
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	55	55	60	65	65
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	6.0	6.0	8.0
पवन दिशा (डिग्री)	320	320	300	100	120
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	4	2	2	7

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में, 20 से 22 जनवरी को बहुत हल्की से हल्की वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 7.0 से 14.0 व 3.0 से 4.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0-8.0 किमी/घंटे की गति से पूर्व-दक्षिण-पूर्व व उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 23 से 29 जनवरी के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से अधिक, अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य से कम रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) से डाउनलोड किया जा सकता है| वर्तमान मौसम की स्थिति स्क्लेरोटिनियल रॉट के लिए अत्यधिक अनुकूल हैं। यह किसी भी फसल के पौधों में, फूली हुई रोएदार वृद्धि जैसा, दिखाई दे सकता है, जिससे पौधे सूख जाते हैं। इसलिए संक्रमित पौधों को हटाकर जला देना चाहिए। रसायनों का छिड़कावमौसम साफ रहने पर करें।

लघु संदेश सलाहकार:

उधम सिंह नगर जिले में 22 जनवरी को हल्की वर्षा व नैनीताल जिले में 20 से 22 जनवरी को बूंदा-बांदी व हलकी वर्षा की सम्भावना है। खेत मे जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	वर्तमान मौसम की स्थिति स्क्लेरोटिनियल सड़ान्ध के लिए अत्यधिक अनुकूल हैं। सरसों में स्क्लेरोटिनिया सड़ांध दिखाई देने पर, संक्रमित पौधे को हटाकर जला दें। 700 ग्राम कार्बेन्डाजिम या 700 मिली प्रोपीकोनाजोल को 700 लीटर पानी में प्रति हेक्टेयर की दर से फूलों पर स्प्रे करें। 10 प्रतिशत से अधिक संक्रमित पौधों की स्थिति में पत्तियों और तनों पर 10-15 दिनों के अंतराल पर 2-3 तीन छिड़काव करें। छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, मौसम साफ होने पर करें।
लहसुन	लहसून की पत्तियाँ पीली पड़ने की स्थिति में, टेबुकोनाजोल का 1 मिली/लीटर+प्रोफेनोफोस का 1 मिली/ लीटर की दर से छिड़काव मौसम साफ होने पर करें।
बरसीम	वर्तमान मौसम की स्थिति स्क्लेरोटिनियल सड़ान्ध के लिए अत्यधिक अनुकूल हैं। इसलिए बरसीम में, स्क्लेरोटिनिया सड़ांध दिखाई देने पर, संक्रमित पौधे को हटाकर जला दें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	अगर फसल के पौधों में, फूली हुई रोएदार वृद्धि जैसा, दिखाई दे तथा पौधे सूख रहे हो तो यह स्क्लेरोटिनियल सड़ान्ध है। अतः संक्रमित पौधे को हटाकर जला दें। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुएए मौसम साफ होने परए 700 ग्राम कार्बेन्डाजिम या 700 मिली प्रोपीकोनाजोल को 700 लीटर पानी में प्रति हेक्टेयर की दर से फूलों पर स्प्रे करें। 10 प्रतिशत से अधिक संक्रमित पौधों की स्थिति में पत्तियों और तनों पर 10-15 दिनों के अंतराल पर 2-3 तीन छिड़काव करें।
आलू	आलू के पछेती झुलसा रोग के प्रकोप से बचाव हेतु, मैनकोजेब जैसे फफूंदनाशक का 2.5 ग्राम प्रति लीटर की दर से छिड़काव मौसाम साफ होने पर करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	इस मौसम में नवजात पशुओं में निमोनिया की संभावना ज्यादा रहती है। इसलिए पशुओं की आवास व्यवस्था को सुदृढ़ करें व आहार में गर्म चीजें दें। पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए बिना पानी में मिलाए ही गुड़ के साथ अजवाइन का सेवन कराना चाहिए। यह उन्हें गर्मी और ऊर्जा देता है।
गाय	इस मौसम में नवजात पशुओं में निमोनिया की संभावना ज्यादा रहती है। इसलिए पशुओं की आवास व्यवस्था को सुदृढ़ करें व आहार में गर्म चीजें दें। पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए बिना पानी में मिलाए ही गुड़ के साथ अजवाइन का सेवन कराना चाहिए। यह उन्हें गर्मी और ऊर्जा देता है।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
चूज़ा	चुजे ठंड के प्रति बहुत संवेदनशील होते है तथा उन्हे उचित भोजन प्रदान करें । उनके आवास में तापमान का अनुरक्षण करते रहे तथा गर्मी का उचित स्रोत बनाए रखें